Course 505
Learning Mathematics at ElementaryLevel
Assignment 1

Q.1.क्या प्राथमिक स्तर पर महत्वपूर्ण पर्यावरणीय अध्ययन सीखना है? उपयुक्त उदाहरणों के माध्यम से आपके समर्थन में कारण बताएं।

उत्तर:

हां, पर्यावरण स्तर की शिक्षा प्राथमिक स्तर पर बहुत महत्वपूर्ण है। इस सहस्राब्दी की प्रमुख चिंताओं में से एक पर्यावरण की अच्छी देखभाल कर रहा है जो हम सभी को पोषण करते हैं। हम अब ऐसे हालात में रह रहे हैं जहां पर पर्यावरणीय क्षरण हो रहा है अभूतपूर्व गति.इसलिए दिन की तत्काल आवश्यकता पर्यावरण के बारे में जागरूकता और सभी स्तरों पर इसकी समस्याएं ला रही है। पर्यावरण के साथ हमारे संबंधों को पुन: स्थापित करने के लिए सच्चे प्रयासों की आवश्यकता है.हमें पर्यावरण को 'स्वयं' से सुरक्षित रखना होगा। हमारे स्वयं की जीवन शैली, लालच, स्वार्थ और जागरूकता की कमी है जो पर्यावरण से संबंधित सभी समस्याओं का शुरुआती बिंदु है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है, "आप एक ही दिमाग सेट के साथ एक समस्या को हल नहीं कर सकते जो कि इसे पहली जगह "। यह तब है जब हम वास्तव में खुद को पर्यावरण का एक अविभाज्य हिस्सा मानना शुरू करते हैं, और फिर हमारे विचारों में इसके संरक्षण के प्रति एक बुनियादी बदलाव होगा।

शिक्षकों ने बच्चों में उनके प्रभावi के कारण समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है यह स्कूल स्तर पर एक महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र है और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों के मानसिक स्वरूप में केवल सामग्री ट्रांसमीटरों से उस अपीलीकेटर्स और सहकर्मियों को बदलने की आवश्यकता है। कक्षा प्रथाओं में केवल 'सामग्री के प्रसारण' से लेकर 'बच्चों के व्यवहार के बदले सामग्री का लेनदेन' से बदलाव। शिक्षक, स्कूलों में पर्यावरण शिक्षा के सफल लेनदेन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

वे पर्यावरण संरक्षण और संरक्षण में खोज, समझ, सराहना और भाग लेने के लिए बच्चों में आवश्यक क्षमताओं और दक्षताओं के निर्माण में एक केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, शिक्षकों को बच्चों में जागरूकता, रवैया और चिंता पैदा करने के लिए सशक्त होने की जरूरत है उन्हें पर्यावरण संबंधी समस्याओं को समझने और सुलझाने में

इस प्रक्रिया में, पर्यावरण प्रकृति के पहले-हाथ अवलोकन के उत्साह में प्राकृतिक और सामाजिक दुनिया में पैटर्न और प्रक्रियाओं को समझने के लिए युवा दिमागों को सम्मिलित करने के लिए एक माध्यम बन जाता है। इस संदर्भ में, शिक्षक शिक्षा के पाठ्यक्रम की जांच करने की आवश्यकता है , ताकि "समग्र रूप से पर्यावरण के महत्व की सराहना करने के लिए युवाओं को तैयार करने के लिए, न केवल मानव अस्तित्व के लिए बल्कि पृथ्वी पर सभी जीवन के लिए भी"। पर्यावरण अध्ययनों का मुख्य ध्यान केंद्रित करने से बच्चों को वास्तविक दुनिया वे रहते हैं। पर्यावरण अध्ययनों की सीखने की स्थितियों / अनुभव बच्चों को अनैतिक और मानव निर्मित परिवेश की खोज और उससे जुड़ने के लिए मदद करते हैं। पर्यावरण संबंधी अध्ययनों से बच्चों को अपने कामों में कई अंतर्दृष्टि विकसित करने या उनके पर्यावरण में मानव प्रक्रियाओं को समझने में मदद मिलती है। बच्चों के स्वस्थ विकास में उनके आसपास के वातावरण के साथ बातचीत बेहद महत्वपूर्ण हैं। ऐसे बातचीत कंक्रीट सीखने के अनुभव प्रदान करके बच्चों की सीखने की क्षमताओं में वृद्धि करना। स्कूल के स्तर पर पर्यावरण अध्ययन के दायरे को संक्षेप में सक्षम किया जा सकता है

बच्चों के लिए:
पर्यावरण के विभिन्न घटकों (जैविक और मानव-निर्मित) पर निर्भरता को समझने के लिए अपने प्राकृतिक और मानव निर्मित पर्यावरण से जुड़ें।
• अपने पर्यावरण के बारे में समग्र समझ विकसित करना
• हमारे पर्यावरणीय मुद्दों / समस्याओं को समझने के लिए बहु अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य का विकास करना और उसकी ईमानदारी पर अपने दैनिक कार्यों / प्रभावों की सराहना करना। बच्चों को अपने पर्यावरण का पता लगाने और उनके इंटरैक्शन / अनुभवों से अपने स्वयं के अर्थ का निर्माण करने में सहायता करने और बच्चों की सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बच्चों के अनुभवों को समझने, समझने और अभिव्यक्त करने के लिए सीखने के अनुभवों को व्यवस्थित और व्यवस्थित करके, प्राथमिक स्तर में पर्यावरण अध्ययन के लेन-देन प्राथमिक स्तर पर विषयों / फोकस क्षेत्रों की श्रेणी से संबंधित वैचारिक समझ, दृष्टिकोण और मूल्यों, कौशल और आदतों / प्रथाओं के विकास में योगदान देता है। इसी तरह के अनुभवों में भी कुछ छिपे हुए लाभों के लिए बच्चों को लागू किया जाता है जैसे कि प्रकृति के प्रति प्रशंसा और सम्मान का विकास और प्राकृतिक संसाधन, विविधता जो पर्यावरण में निकलती है, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने की क्षमता आदि।

प्रश्न 2. ईवीएस सीखने के लिए आप अपने कक्षा में वास्तविक जीवन आधारित सीख कैसे तैयार करेंगे?
उत्तर:
<u>उद्देश्य और परिणाम</u>
छात्रों को अपने जीवन में कम करने, पुनः उपयोग और रीसाइक्लिंग द्वारा अपने तत्काल वातावरण में सुधार के तरीकों का नाम दिया जाएगा।

<u>सामग्री की जरूरत</u>

- अपेंसिल
- "कम करें, पुन: उपयोग करें, रीसायकल" वर्कशीट
- एक छात्र या मार्कर प्रत्येक छात्र
- कंप्यूटर तक पहुंचने वाला एक कंप्यूटर
- 6 बड़े शीट चार्ट पेपर 2 लेबल "1 कम करें," 2 लेबल "दो बार फिर से करें", और 2 लेबल "3 रीसायकल।"

<u>प्रक्रिया</u>

<u>पाठ को खोलना</u>
* कमरे के चारों ओर प्री-मेड चार्ट पेपर पोस्ट करें
* डायरेक्ट छात्रों को क्लास के चारों ओर रखे गए रेड्यूस, रीयूस, रीसायकल चार्ट में और उन्हें पूछें कि क्या वे जानते हैं कि प्रत्येक शब्द का मतलब क्या है।

* छात्रों को वे अपने घर में क्या करते हैं, या कक्षा में क्या करें, जो कम करें, पुन: उपयोग करें और रीसायकल में चर्चा करें।

पाठ का शरीर

मोडलिंग

* डचिंग टर्टल के वीडियो को "कम करें, रीयूस, रीसायकल" नाम से दिखाएं
* वे बहुत तेज़ी से बात करते हैं, इसलिए आप इसे एक से अधिक बार देखने का विकल्प चुन सकते हैं
* यदि वीडियो उपलब्ध नहीं है, तो चर्चा करें कि छात्रों को पहले से ही कम करें, पुन: उपयोग और रीसायकल के बारे में क्या पता है।

निर्देशित अभ्यास

* वर्कशीट पास करें
* छात्रों को क्या उदाहरण के वीडियो से किसी भी उदाहरण को भरने के लिए बताएं
लोग कम करने, पुन: उपयोग और रीसायकल करने के लिए कर सकते हैं
* फिर से वीडियो दिखाएं (या चर्चा की समीक्षा करें) ताकि छात्र अपना चार्ट पूरा कर सकें।
* एक कक्षा के रूप में चर्चा करें

स्वतंत्र अभ्यास

* उन समूहों में अलग होने से पहले छात्रों को गतिविधि की व्याख्या करें।
* छात्रों को 6 समूहों में विभाजित करें और प्रत्येक छात्र को मार्कर या क्रेयॉन प्राप्त करने के लिए कहें।
* प्रत्येक समूह को एक चार्ट पत्र में असाइन करें और उनसे चर्चा करें और फिर कई विचारों के रूप में लिखिए, क्योंकि वे हैं जो वीडियो को कम करने, पुन: उपयोग या रीसायकल करने के तरीके से नहीं हैं (वे किस चार्ट चार्ट पर निर्भर करते हैं)।
* छात्रों के लिए अगले चार्ट पेपर पर जाने के लिए लगभग 5 मिनट के संकेत के बाद। उन्हें पढ़ा और उन सभी विचारों पर चर्चा करें, जो पिछली ग्रुप ने लिखी थीं और फिर उन सभी नए विचारों को जोड़ते हैं जो उनके पास हो सकते हैं।
* छात्रों के लिए अगले चार्ट पेपर पर जाने के लिए करीब 5 मिनट का संकेत मिलता है। उन्हें पढ़ा और उन सभी विचारों पर चर्चा करें, जो पिछली ग्रुप ने लिखी थीं और फिर उन सभी नए विचारों को जोड़ दिया जो उनके पास हो सकते थे।
* छात्रों को अपने वर्कशीट और पेंसिल को अपने डेस्क से प्राप्त करने के लिए निर्देशित करें और फिर अपने समूहों के साथ चौथे चार्ट पेपर पर जाएं, जो 3R में से एक के दोहराएगा।
* इस चार्टपेपर से उनको किसी भी विचार पर चर्चा करें और नोटिस करें कि यदि नए विचार हैं जो उन्हें पहले चार्ट पेपर में नहीं दिखाई देते हैं।

* छात्रों को गैलरी चलने से विचारों के साथ अपने कार्यपत्रक के इस भाग को पूरा करने के लिए निर्देशित करें
* 5 और 6 के पत्रों के साथ दोहराएं, जिससे छात्रों को अपने कार्यपत्रकों को पूरा करने की अनुमति मिल सके।

<u>समापन</u>

छात्रों को अपने डेस्क पर वापस जाएं और गतिविधि पर चर्चा करें। कम से कम नए विचारों के बारे में जानें जिनसे वे सीखें कि कैसे कम करें, पुन: उपयोग करें या रीसायकल करें और पूछें कि वे इन विचारों को तत्काल भविष्य में कैसे लागू करेंगे।

<u>आंकलन मूल्यांकन</u>

छात्रों को एक कार्यपत्रक पूरा करने और कक्षा चर्चा में योगदान करने के लिए कहा जाएगा।

Course 505
Learning Mathematics at ElementaryLevel
Assignment 2

Q.1। किसी भी स्तर के ईवीएस की पाठ्यपुस्तक से अपनी पसंद के किसी भी विषय को चुनें और इस विषय को सिखाने के लिए एक गतिविधि का सुझाव दें।
उत्तर:
विषय: नवीकरणीय या गैर-नवीकरणीय

सामग्री:

- ❑ "प्रतिदिन आइटम" वर्कशीट (छात्रों की एक प्रति जोड़ी)
- ❑ "अक्षय संसाधन" वर्कशीट (छात्रों की एक प्रति जोड़ी)
- ❑ "गैर अक्षय संसाधन" वर्कशीट (विद्यार्थियों की एक प्रति जोड़ी)
- ❑ "अक्षय या अक्षय नवीनीकरण योग्य?" वर्कशीट (प्रति विद्यार्थी एक)
- ❑ ग्लू (एक बोतल प्रति जोड़ी छात्रों)
- ❑सिसर्स (एक छात्र प्रति जोड़ी)
- ❑ समाचारपत्र (प्रति छात्र एक शीट)
- ❑ एक प्लास्टिक के कंटेनर, एल्यूमीनियम, इस्पात, कांचबॉटल, सेब, पेपर और चमड़े की बेल्ट
- ❑ "प्राकृतिक संसाधन" ओवरहेड
- ❑ "जल चक्र" ओवरहेड
- ❑ रेब्रिक ओवरहेड

❑ रबिक्री (प्रति छात्र एक)

तैयारी:

गतिविधि के अंग के लिए युगल छात्रों को तैयार करने के लिए तैयार रहें

विचार-विमर्श

1. प्लास्टिक कंटेनर, एल्यूमीनियम कर सकते हैं, इस्पात कर सकते हैं, कांच की बोतल, सेब, कागज, और चमड़े की बेल्ट।
2. "प्राकृतिक संसाधन" ऊपर की ओर रखो, और नीचे आधा (वस्तुओं की तस्वीरों) को कवर करें। छात्रों को बताएं कि इन सभी वस्तुओं को प्राकृतिक संसाधनों से बनाया गया है और ये संसाधन या तो नवीनीकरण या नवीनीकरण योग्य नहीं हैं। कि गैर नवीकरणीय संसाधन सीमित मात्रा में पृथ्वी पर मौजूद हैं, जैसे, जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, और प्राकृतिक गैस) और कई खनिजों (जैसे, लौह, सोना और बॉक्साइट, एल्यूमीनियम का स्रोत
3. आइटम एक बार में पकड़ो, और छात्र स्वयंसेवकों से उन्हें गैर-अक्षय या नवीकरणीय संसाधन से बनाये जाने के लिए वर्गीकृत करें। ओवरहेड के बाकी हिस्सों को ढूंढें, और उन वस्तुओं की समीक्षा करें जिन पर चर्चा नहीं हुई (यानी, गैसोलीन, बाइक , हेलमेट, आदि) संक्षेप में बताएं कि प्राकृतिक संसाधनों को धरती से कैसे लिया जाता है और उत्पादों में बनाया जाता है।
4. छात्रों को पता है कि संसाधनों को सतत संसाधनों के रूप में भी वर्गीकृत किया जा सकता है। ये स्वाभाविक रूप से आवर्ती ऊर्जा हैं जो मानव प्रबंधन से परे हैं, जैसे, सूरज, हवा, गिरने वाले पानी, ज्वार। "वॉटर चाइले" ओवरहेड ऊपर उठाएं और समझाएं कि जल चक्र एक सतत संसाधन का एक उदाहरण है।
5. संरक्षण की अवधारणा का परिचय। छात्रों से पूछो कि क्या तरीके हैं जो वे कम संसाधनों का उपयोग कर सकते हैं। एक तरह से साझा करें कि छात्र प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक कार में ड्राइविंग के बजाय स्कूल में बाइक की सवारी करके, छात्र संरक्षण कर सकते हैं ईंधन, जो एक गैर अक्षय संसाधन से आता है।

<u>प्रक्रिया</u>

1. वर्गों को जोड़े में विभाजित करें। प्रत्येक जोड़ी छात्रों को निम्न कार्यपत्रकों को दें: "हर दिन आइटम," "नवीकरणीय संसाधन," "अक्षय संसाधनों को नवीनीकृत करें।" उन्हें कैंची, एन डी गोंद भी दें
2. प्रत्येक जोड़ी को वस्तुओं को काटने और उन्हें दो संभावित श्रेणियों में से एक में घुसकर उन्हें वर्गीकृत करना: नवीकरणीय या गैर अक्षय संसाधन
3. संपूर्ण वर्ग के साथ समीक्षा करें, जिन आइटमों को वे अक्षय या गैर नवीकरणीय संसाधनों के रूप में वर्गीकृत करते हैं।

<u>लपेटें</u>

1. विद्यार्थियों को बताएं कि वे क्या सोचते हैं, गैर अक्षय संसाधनों का क्या होगा यदि हम उनका उपयोग करना जारी रखेंगे। (वे समाप्त हो जाएंगे।)
2. छात्रों से पूछें कि क्या उन्हें लगता है कि अक्षय संसाधन हमेशा हमेशा के लिए उपलब्ध होते हैं। प्रत्येक छात्र को समाचार पत्र की एक शीट के पास, और उन्हें एक पेड़ का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसे रोल करवाएं। कक्षा के सामने सभी "पेड़ों" को एकजुट करके एक जंगल। छात्रों से पूछो कि क्या होगा यदि वे अपने स्कूल के लिए पर्याप्त कागज़ उपलब्ध कराने के लिए साल में दस पेड़ों को कम करने के लिए आवश्यक थे, लेकिन प्रत्येक वर्ष केवल पांच पेड़ों को बदल दिया गया था (प्राकृतिक संसाधन कम हो जाएगा)।
3. छात्रों को किसी साथी को ब्रेनस्टॉर्म करने के लिए बारी करने के लिए कहें कि वे गैर-अक्षय और नवीकरणीय संसाधनों को संरक्षित कर सकते हैं। (बजाय बेकार। अक्षय संसाधनों का उपयोग करें, जैसे, एक प्लास्टिक बैग के स्थान पर एक पेपरबैग। रीसाइज बैग और रीसायकल।)
4. "नवीनीकरण योग्य या गैर अक्षय" कार्यपत्रक को बाहर लगाएं, चार श्रेणियों (जीवाश्म ईंधन, खनिज, पौधों और जानवरों) से प्रत्येक एक आइटम के नाम पर छात्रों को असाइन करें और बताएं कि वे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण कैसे कर सकते हैं।

<u>अंतिम मूल्यांकन</u>

छात्रों को कक्षा में दस वस्तुओं की पहचान करने के लिए, वस्तु का उत्पादन करने के लिए इस्तेमाल प्राकृतिक संसाधन लिखना और संसाधन नवीकरणीय या गैर नवीकरणीय

प्रश्न 2. ईवीएस सीखने में संसाधन सीखने की भूमिका की चर्चा करें। किसी भी एक संसाधन को चुनें और ईवीएस की अवधारणाओं के बारे में सीखने में अपनी उपयोगिता पर चर्चा करें।
उत्तर:
सीखने के संसाधनों की भूमिका:

1) वास्तविक जीवन आधारित अनुभव, भौतिक, जैविक, सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं में ईवीएस के लिए उपयुक्त हैं। स्थानीय संसाधनों और सामग्री का उपयोग वास्तविक जीवन आधारित शिक्षा की सुविधा प्रदान करते हैं।
2) ईवीएस का उद्देश्य बच्चों में संज्ञानात्मक क्षमता, क्षमता और कुशलता को बढ़ाने और सामाजिक घटनाओं के बारे में सुखी बनाना - परिवार के साथ शुरू करना और व्यापक स्थान पर आगे बढ़ना। सीखने के संसाधनों का उपयोग करके रचनात्मक रूप से यह प्राप्त कर सकते हैं
3) स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके, शिक्षक छात्रों को अपने ज्ञान का निर्माण, कौशल विकसित करने और उन्हें सीधे सीखने के अनुभव प्रदान करने के लिए सहायता कर सकते हैं।

4) स्थानीय संसाधनों की सहायता से आप समाज और पड़ोसी समुदायों के साथ मजबूत संबंध बना सकते हैं।
5) छात्रों को उनकी पढ़ाई और उपाध्यक्ष विपरीत, जो सीखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, के माध्यम से उनके आसपास की दुनिया से कनेक्ट कर सकते हैं।
6) छात्र अपने तत्काल पर्यावरण के बारे में जागरूक हो जाएंगे।
7) छात्र अपने तत्काल पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में संवेदनशील होंगे।

संस्थागत संसाधन

संस्थान, विशेष रूप से सार्वजनिक सेवा क्षेत्र, बहुत स्थानीय स्थानीय संसाधनों के संसाधन हो सकते हैं। प्रत्येक संस्थान का अपना अनूठा जनादेश और दृष्टि होती है, जो अंततः समाज के विकास / आर्थिक लक्ष्य में योगदान करती है। एक शिक्षक प्रासंगिक संस्थानों की यात्रा और समन्वय कर सकता है। यह शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया में भी वास्तविक जीवन लिंक को सुनिश्चित करता है। कुछ ऐसी संभावनाएं निम्न रूप में मौजूद हैं:

सार्वजनिक सुविधाएं:

सार्वजनिक अस्पतालों, बस स्टेशन, डाकघर, पुलिस स्टेशन सार्वजनिक पुस्तकालय, बैंक, पशु चिकित्सा अस्पतालों, ग्राम पंचायत कार्यालय, नगर पालिका का कार्यालय

संग्रहालय और ऐतिहासिक स्थलों:

प्राकृतिक इतिहास, महलों, उद्यानों और उद्यान, प्रयोगशालाओं, कोल्ड स्टोरेज के संग्रहालय

अन्य प्रतिष्ठान:

संयंत्र नर्सरी, विंडफार्म, विश्वविद्यालय, बांध,
ओओएस, firestations

वाणिज्यिक और औद्योगिक अध्यापन:

बिजली घर इकाइयों, कारखानों जो बच्चों, शॉपिंग मॉल, स्थानीय बाजारों आदि के लिए हानिकारक नहीं हैं।

स्थानीय मेले सीखने के लिए अच्छे अवसर भी प्रदान करते हैं:

मेले का दौरा करके छात्र सीख सकते हैं कि बाजार कैसे काम करता है और स्थानीय रीति रिवाज, ड्रेसिंग शैली, विभिन्न प्रकार के लोगों के जीवन के तरीके को महसूस कर सकता है

Course 505
Learning Mathematics at ElementaryLevel
Assignment 3

प्रश्न 1। ईवीएस अध्यापन सीखने में लगातार और व्यापक मूल्यांकन की आवश्यकता क्यों है? प्राथमिक शिक्षक के रूप में, ईवीएस की सीखने की प्रक्रिया को सीखने में आपको निरंतर और व्यापक ईवल्यूएशन कैसे मदद मिलती है?

उत्तर:

सीखना एक निरंतर प्रक्रिया है, इसलिए 'सीखने का आकलन' होना चाहिए। आस्थगित शिक्षक सीखने में अंतराल और कठिनाइयों का निदान करने में मदद करता है। यदि ये देखा जाए तो जैसे ही उन्हें संबोधित किया जाता है, सीखने का प्रवाह सीखने की प्रक्रिया को सक्षम बना सकता है और प्रभावी। प्रत्येक छात्र के लिए इस नौकरी को पूरा करने के लिए क्लासरूम का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इस प्रकार अच्छी मूल्यांकन प्रक्रिया निरंतर होनी चाहिए। पर्यावरण अध्ययनों में सीखने का आकलन इसलिए मांग करता है कि मूल्यांकन प्रक्रिया व्यापक है। स्वयं, सहकर्मी, शिक्षक, माता-पिता या कभी-कभी अन्य स्कूल कर्मचारियों द्वारा अभिस्वीकृत किया जाना चाहिए। यह बच्चों के विकास की एक समग्र तस्वीर बनाने में मदद करता है। शिक्षार्थियों को पर्यावरण अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सिर, हाथ और दिल का उपयोग करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार, शिक्षक को सभी पांच इंद्रियों, तार्किक सोच और रचनात्मक सोच का उपयोग करने के साथ-साथ अपनी भावनाओं को विकसित और व्यक्त करने के लिए शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करना चाहिए। नतीजतन मूल्यांकन सभी पांच इंद्रियों, तार्किक सोच, कल्पना और भावनाओं के माध्यम से सीखने पर आधारित होना चाहिए। बच्चे को सीखने के लिए शिक्षक मौखिक, लिखित और निष्पादन मोड का उपयोग कर सकते हैं। उसे कभी-कभी प्रत्येक बच्चे को अलग-अलग आकलन करने की ज़रूरत होगी, परन्तु अन्य समय पर समूहों का आकलन करना या एक साथ पूरे वर्ग का आकलन करना चाहिए। शिक्षक को मूल्यांकन के किसी भी एक रूप पर ज़ोर देना चाहिए, यह लिखा या मौखिक या गतिविधि आधारित है। इस तरह के विविध और संतुलित आकलन आकलन व्यापक बनाता है। हम यह कह सकते हैं कि मूल्यांकन उचित, विश्वसनीय, निष्पक्ष और लचीला होने पर ही अच्छा और प्रभावी होगा। यह अच्छी मूल्यांकन के चार महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं।

1) मान्य मूल्यांकन एक है जो ईवीएस उद्देश्यों से संबंधित है और प्रदान किए जाने वाले सीखने के अनुभवों के लिए भी प्रासंगिक है। आवश्यक कौशल और ज्ञान और योग्यता के आयाम, साथ ही साथ अधिक महत्वपूर्ण रूप से मूल्यों का पता लगाता है।

2) भरोसेमंद मूल्यांकन अलग-अलग अध्यापकों द्वारा प्रासंगिक संदर्भों के द्वारा लागू किए जाने पर उत्पादित करता है। निबंध लेखन जैसे व्यक्तिपरक मूल्यांकन जैसे 'मिलान मैच' जैसी ऑब्जेक्टिव मूल्यांकन से अधिक विश्वसनीय होने की संभावना है।

3) उचित आकलन किसी भी छात्र को नुकसान नहीं पहुंचाता है और मूल्यांकन में प्रत्येक छात्र की व्यक्तित्व और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखता है।

4) लचीले मूल्यांकन उपकरण और प्रक्रियाओं शिक्षण सीखने के संदर्भों के अंकन में एक आकलन सूट / प्रासंगिक बनाते हैं।

प्रारंभिक मूल्यांकन शिक्षक को सीखने में बाधाओं का निदान करने में मदद करता है और शिक्षक को तब और वहां सुधारात्मक कार्रवाई करने में मदद करता है। समरेटिक मूल्यांकन ने शिक्षक को छात्रों के ज्ञान और समझ में प्रमुख अंतरालों का निदान करने में मदद की।

विभिन्न प्रकार के आत्म मूल्यांकन के साथ-साथ सहकर्मी मूल्यांकन, समग्र मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए बहुत अधिक मूल्य जोड़ते हैं। स्वयं और सहपाठियों द्वारा प्रशंसा, स्वयं के बारे में बेहतर बच्चा बनाता है। यह बच्चे को आत्मसम्मान बनाने में सहायता कर सकता है। सहकारी शिक्षा के दौरान, समूह के सदस्यों को अक्सर पूछा जाता है अन्य सदस्यों के सकारात्मक सामाजिक व्यवहार को रेट करने के लिए जैसे कि मदद और प्रोत्साहन देना। सावधानी के एक शब्द, शिक्षक को ध्यान रखना चाहिए ताकि स्वयं और सहकर्मी मूल्यांकन किसी भी बच्चे के लिए अत्यधिक प्रशंसा और न ही अनुचित आलोचना का उपकरण बनें।

इस प्रकार सीसीई का अर्थ है: छात्रों को केवल एक साल के अंत तक परीक्षा में आने के बजाय लगभग-साल के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। हर बच्चे को सफलता का अनुभव करने और सीखने का आनंद लेने का अवसर प्रदान करना। विभिन्न क्षमताओं के लिए देखें जो कि एक बच्चा अच्छा है पर और कई और विविध अनौपचारिक आकलन के माध्यम से सीखने में अंतराल को भरने के लिए उसे / उसे समर्थन करके बच्चे की सहायता भी करता है

OMESH 883